इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग पर जन सम्मेलन

वार्षिक बैठक पूर्व एआईआईबी (AIIB) पर प्रतिकियाएं

21 से 23 जून, 2018 मुंबई, भारत

वर्किंग ग्रुप ऑन इन्टरनेशलन फाइनेंशियल इन्स्टिटूशन
wgonifis@gmail.com
www.wgonifis.net

इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग पर जन सम्मेलन

यह जन सम्मेलन AIIB (एशियाई इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक) की वार्षिक बैठक के पूर्व प्रतिक्रिया के रूप में न्याय पसन्द और गैर–बराबरी के खिलाफ काम कर रहे विभिन्न जनसमूह एक साथ मिल कर आयोजित कर रहे है। बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के परिणामस्वरूप प्राकृतिक संसाधनों की लूट, उसका विनाश, मानव अधिकारों का हनन और लोगों का विस्थापन होता आ रहा हैं। इसमें हाशिये पर रहने वाले लोग और उनकी आजिविका सबसे ज्यादा प्रभावित होते है।

अंतर्राष्ट्रीय वित्त संस्थान (IFIs) यह मानकर चलते है कि इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण विकास के लिए एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। इस कारण विकासशील देशों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को पूँजी निवेश के लिये एक अवसर की तरह भी देखा जाता है। ऐसे पूँजी निवेश को लाभकारी बनाने हेतु अक्सर विकासशील देशों के कमजोर कानूनो का फायदा उठाया जाता है और मजबूत जनपक्षीय कानूनो लोकसंस्थानों जो श्रम बाजारों, पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों और भूमि अधिग्रहण कानूनों को नियंत्रित करते है इत्यादि को कमजोर बनाने हेतु सरकारों पर दबाव बनाया जाता हैं। जिसका सीध तौर पर उदाहरण खेती, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बजाय 'व्यवसाय करने में आसानी (Ease of doing business) मे रैंकिंग के लिये प्राथमिकता और सक्रियता के रूप मे देखा जा सकता है। संस्थागत और नियामक मुद्दों के अलावा, विकासशील और कम विकसित देशों में फाईनेन्स की कमी इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की धीमी गति के लिए एक प्रमुख कारण माना जाता है।

AIIB जैसे नये वित्त संस्थान इन इंफ्रास्ट्रक्चर कमी की ओर इशारा करते है ताकि अधिक से अधिक फाईनेन्श और वित्तीय संस्थानों के निवेश हेतु मैदान तैयार किया जा सके। वही पारंपरिक बहुपक्षीय विकास बैंकों का नेतृत्व अमेरिका, जापान और उत्तरी देश करते आ रहे है। इसके साथ दक्षिणी देशों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए फोकस सेक्टरों के संदर्भ में फाईनेन्स की पद्धतियों को भी ।प्ठ तार्किक बताता है। ।प्ठ की शुरूआत से उसका मुख्यालय बीजिंग मे होना, 21वीं शताब्दी में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में चीन का उभरना समझा जा रहा है।

नए संस्थान AIIB की शुरूआत, पारंपरिक विकास वित्त एजेंसियों जिन्होनें जमीनी संघर्षो, जिसमें प्रमुख रूप से बांध प्रभावित और विस्थापित समुदाय शामिल थे, के अनुभवों के आधार पर कई सुरक्षा उपाय और नीतियॉ बनाये, के विपरीत हुआ है जिससे इनके पास मजबूत निवेश नीतियों के साथ पर्यावरणीय और सामाजिक सुरक्षा की नीतियों का अभाव है।

एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट बैंक

AIIB की शुरूआत के साथ, ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सार्वभौमिक ढांचे पर आधारित प्रगतिशील नीतियां देश–आधारित प्रणालियों के लिए बदल दी जा रही है, जो वित्तीय संस्थानों को उनके द्वारा फाईनेंस की जाने वाली परियोजना से होने वाले विनाश की जिम्मेदारी से मुक्त कर देती हैं। हम उस तबाही के गवाह हैं। उदाहरण के लिए, AIIB ने अपनी प्रमुख नीतियों को विकसित किए बिना अपने सह वित्तीय संस्थानों विश्व बैंक या एशियाई विकास बैंक की नीतियों को ही अपना कर को–फाईनेंस शुरू कर दिया है।

एकता और संवाद हेतु जनमंच

इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग पर जन सम्मेलन में देश भर से विभिन्न प्रभावित समुदाय और समूह एक साथ आकर कैसे इन वित्तीय संस्थाओं के ऐजेडें इंफ्रास्ट्रक्चर से प्रभावित है, पर चर्चा करेंगे। साथ ही वैकल्पिक विकास की दूरदर्शिता पर विचार करेंगे। यह सम्मेलन सघंर्शो की जुबानी विकास की परिकल्पना के विकल्पों को भी साझा करेगा और विकास में समुदायों के सार्थक और सूचित परामर्श और उनके संबंध में संवैधानिक अधिकारों की मांग रखेगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग पर जन सम्मेलन का उद्देश्य है कि देश के विभिन्न हिस्सों से सामाजिक आंदोलनों, प्रगतिशील ट्रेड यूनियनों, बुद्धिजीवी वर्ग और नागरिक संस्थाऐं जो देश के अलग–अलग मुद्दो पर वित्तीय संस्थाओं और उनकी नीतियों की निगरानी पर काम कर रहे है उनको एक साथ लाना और संवाद के लिये मंच देना है। विकास के नाम पर इंफ्रास्ट्रक्चर का दृष्टिकोण जो विस्थापन और प्राकृतिक संसाधनों की तबाही का कारण है उसके विरोध मे जन सम्मेलन इन सघंर्शो मे एकता लाने मे मददगार साबित होगा। स्थानीय समुदायों शहरी झुग्गी और ग्रामीण क्षेत्रों, दोनों को एक साथ लाना ताकि भविष्य की कार्रवाई की योजना बनाई जा सके। यह जनसघंर्शो से उभर रहे एक न्यायसंगत और बराबरी की दुनिया के विकल्पों को आगे बढाने और चर्चा करने की भी जगह होगी।

स्थानः Y.B Chavan/YMCA/YMCA-Colaba, Mumbai

21 से 23 जून, 2018

कार्यशाला का आयोजक/भागीदार के रूप में रजिस्टर करें

जन सम्मेलन स्वंय उद्घाटन और समापन के अलावा ऐसी अठारह कार्यशालायें आयोजित करने जा रहा है।
भागीदार होने के लिये और कार्यशाला आयोजन करने हेतु कृपया www.wgonifis.net पर जाये

जन सम्मेलन में निम्नलिखित विशयों पर कार्यशालाओ का आयोजन होगा।
इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग, विकास वित्तीय संस्थान, नीतियॉ और संरक्षण, शहरीय विकास, परिवहन, बंदरगाह और तटिय इंफ्रास्ट्रक्चर,ऊर्जा और उसका वित्तीय, ट्रेड और अतंराश्ट्रीय वित्तीय, पानी और पानी क्षेत्र में सुधार, निजीकरण और सरकारी निजी कंपनी भागीदारी (PPP), जेण्डर, हाशिये पर समाज, और कोई दुसरे विशय पर जो इस जन सम्मेलन से सम्बधिंत हो।

हम सभी समूहो से आग्रह करते है कि वह विशय सम्बधित प्रदर्शिनी और साहित्य को साथ लाये जो सामान्य जगह पर प्रदर्शित किया जा सके।

वर्किग ग्रुप ऑन इन्टरनेशलन फाइनेन्शियल इन्स्टिटूशन संस्थाओं और व्यक्तियों का एक समूह है जो कई अतंराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के निवेशों और उनकी कार्यक्रमों एवं नितियों को गंभीरता से देखते व उसका मूल्यांकन करते है, और दुनिया भर में समुदायों और लोगों के साथ उनके विरोध के सर्मथन मे खड़े रहते है।

अधिक जानकारी के लिये

संम्पर्कः wgonifis@gmail.com / Website:www.wgonifis.net

वर्किग ग्रुप ऑन इन्टरनेशालन फाइनेन्शियल इन्स्टिटूशन